RNI No.-UPHIN/2010/35514 ISSN-0976-349X
संयुक्तांक 25-26 नवंबर 2025

यू.जी.सी. केयर लिस्ट में सम्मिलित

इतिहास दृष्टि

संपादक

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

संपर्क
228-आर, पूरबी बशारतपुर
निकट एच. एन. सिंह क्रॉसिंग
गोरखपुर-273004

प्रकाशक : सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी
228-आर, पूरबी बशारतपुर,
निकट, एच.एन. सिंह क्रॉसिंग
गोरखपुर-273004
मोबाइल : 9519442081

© सर्वाधिकार सुरक्षित

वार्षिक शुल्क :

संस्थागत	:	1600 रु.
व्यक्तिगत	:	400 रु.
आजीवन सदस्यता	:	8,000.00 रु.

भुगतान हेतु केवल बैंक ड्राफ्ट अथवा मनीऑर्डर ही निम्न पते पर स्वीकार्य हैं : सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी, 228 आर, पूरबी बशारतपुर, निकट एच.एन. सिंह चौराहा, गोरखपुर-273004।

संपादक मंडल

प्रधान संपादक : सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

उदय प्रकाछा अरोड़ा (सेवा निवृत, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

एन.आर. फारुकी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

महेन्द्र प्रताप (वाराणसी)

रछिम पांडेय (लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ)

रेनू छाुक्ला (गुरुकुल कांगणी विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर, देहरादून)

मनीषा चौधरी (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

इस अंक के लेखों में प्रदत्त तथ्यों एवं व्यक्त किए गए विचारों का पूर्ण दायित्व उनके लेखकों पर है और पत्रिका के संपादक एवं प्रकाशक पर इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

संपादकीय

इतिहास दृष्टि का वर्ष 2025 का संयुक्तांक निर्धारित समय से लगभग चार-पांच महीने विलंब से प्रकाशित हो रहा है। इस विलंब का कारण मेरी इराक और ईरान की धार्मिक यात्रा एवं अस्वस्थ होना है। इस अंक में तेरह आलेख एवं दो पुस्तक समीक्षाएं हैं। ये आलेख पूर्वोत्तर भारत से लेकर पश्चिम में पंजाब तक के भूभागों के सामाजिक एवं वैधानिक इतिहास से संबंधित हैं। मध्यकालीन भारत से संबंधित तीन आलेख भी साहित्य, शिक्षा और समाज के तीसरे जेंडर से संबंधित हैं। पूर्वोत्तर भारत में जहां ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार को लेकर व्यापक सूचना देने वाला आलेख है, वहीं रेडियो और दूरदर्शन पर मणिपुरी नाटक के प्रसार का इतिहास है। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अंतर्गत हरियाणा क्षेत्र में रौलट ऐक्ट के विरुद्ध चलाए गए आंदोलन का विस्तृत विवरण वाला एक आलेख है, पंजाब के मिरासी और राजस्थान में अपराधिक जनजाति को लेकर बनाए गए कानूनों की जानकारी देने वाले आलेख हैं। पुस्तक समीक्षा के अंतर्गत सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी की प्राइमस से प्रकाशित *जमींदार, पालिटी, इकानोमी एंड कल्चर : ईस्टर्न उत्तर प्रदेश* और सलमा अहमद फारुकी की कृति *सोशियो-कल्चरल लाइफ इन डेक्कन : ए स्टडी विदिन द अर्ली मॉर्डन वर्ल्ड* नामक पुस्तकों को लिया गया है। समीक्षा करने वाले क्रमशः दिल्ली के अजरुद्दीन लाड और डॉ. आशू हैं।

आशा है इस अंक की सामग्री आपके लिए ज्ञानवर्धक होगी।

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी
rizvisnr.65@gmail.com
www.itihaasdrishti.org
itihaasdrishti@gmail.com

02.04.2026

इस अंक के लेखक

1.	**हर्ष मान**	: शोधार्थी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2.	**संतोष कुमार पांडेय**	: शोधार्थी, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, जौनपुर।
3.	**रफ़ी उल्लाह**	: पोस्ट डाक्टोरेट फेलो, आई.सी.एच.आर., इतिहास विभाग दिल्ली, विश्वविद्यालय, दिल्ली।
4.	**निशा भारद्वाज**	: रिसर्चर, टिकरी कलान विलेज, दिल्ली।
5.	**डा. अर्चना कुमारी**	: घनसोली, ठाणे, नवी मुंबई, महाराष्ट्र, 400401
6.	**डा. राम प्रताप यादव**	: सीनियर रिसर्च फेलों, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।
7.	**रिक्तमज्योति हजारिका**	: सहायक अध्यापक, इतिहास विभाग, जोरहाट कॉलेज (एकीकृत), असम।
8.	**निखिल कुमार**	: शोधार्थी, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।
9.	**रूपेश खत्री**	: शोधार्थी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
10.	**राकेश जाखड़**	: शोधार्थी, विधि विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
11.	**डॉ. गुरुमायम बिजोयकुमार शर्मा**	: सहायक प्रोफेसर, (मणिपुरी), आधुनिक भारतीय भाषाएं एवं साहित्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
12.	**अभिषेक मीणा**	: शोधार्थी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
13.	**चारु गुप्ता**	: सीनियर प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

समीक्षक

1.	**अजरुद्दीन लाड**	: आर्काईविस्ट, ओरियन्टल रिसर्च सेक्शन राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली।
2.	**आशु**	: गेस्ट लेक्चरर, दौलत राम कालेज, दिल्ली।

अनुक्रम

संपादकीय *V*

1. शूद्रक के मृच्छकटिकम् की समझ : इच्छाओं, नारीत्व और भावनाओं का स्थान निर्धारण 1
   —*हर्ष मान*
2. पूर्व मध्यकालीन स्थापत्य कला में प्रतिबिंबित सामाजिक-धार्मिक जीवन : खजुराहों के मंदिरों के विशेष संदर्भ में 8
   —*संतोष कुमार पांडेय*
3. मध्यकालीन भारत में मल्फ़ुज़ात साहित्य एवं इतिहास-लेखन की परंपरा 15
   —*रफ़ी उल्लाह*
4. मुगल राज्य स्तंभः दास ख्वाजासरा-सेवा, स्रोत, प्रशिक्षण, पद, कार्य और मृत्यु 33
   —निशा भारद्वाज
5. अठारहवीं शताब्दी में दिल्ली एवं अवध क्षेत्र में स्त्री-शिक्षा की स्थिति 44
   —*अर्चना कुमारी*
6. बिहार की एक जमींदारी : बेतियाराज 56
   —*राम प्रताप यादव*
7. औपनिवेशिक असम में ईसाई धर्म का विस्तार : ईसाई धर्म के विकास में मध्यकालीन राज्य और औपनिवेशिक राज्य व्यवस्था की भूमिका 68
   —*रक्तिमज्योति हजारिका*
8. हरियाणा के क्षेत्र में रौलेट सत्याग्रह से संबंधित गतिविधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन 79
   —*निखिल कुमार*
9. औपनिवेशिक पंजाब के मीरासी : जाति, व्यवसाय और सांस्कृतिक स्मृति 91
   —*रूपेश खत्री*
10. मानहानि कानून का ऐतिहासिक विकास : भारत में पूर्व-औपनिवेशिक शासन से औपनिवेशिक शासन के बाद तक 103
   —*राकेश जाखड़*

11. पश्चिम से मणिपुर तक रेडियो नाटक का संक्षिप्त इतिहास 112
—गुरुमायम बिजोयकुमार शर्मा

12. आपराधिक जनजाति अधिनियम के विशेष संदर्भ में राजपूताना की आपराधिक जनजातियों के कुछ पहलूअ 121
—अभिषेक मीणा

13. लोक-शास्त्र में स्त्री और कामना : हिंदी में यशोदा देवी और संतराम बी.ए. की लेखनी 135
—चारु गुप्ता

पुस्तक समीक्षा

‘ज़मींदार, पॉलिटी, इकॉनमी, एंड कल्चर : ईस्टर्न उत्तर प्रदेश इन द एटींथ सेंचुरी’ लेखक सैयद नजमुल रजा रिजवी 159
—अजरुदीन लाड

सोशियो-कल्चरल लाइफ़ इन डेक्कन : ए स्ट्डी विदिन द अर्ली मॉडर्न वर्ल्ड, लेखिका : सलमा अहमद फारुक़ी 162
—आशू